अभी तक असम में बहुत अधिक संख्या में ऐसे लोग उपस्थित हैं, इस वास्ते उनके जल्दी से जल्दी निष्कासन के लिए सरकार ट्रिब्यूनल की संख्या में वृद्ध करेगी या कोई ऐसा कदम उठायेगी जिसके अन्तर्गत वे अति शीघ्र वहां से निकाले जा सकें ?

Shri Hathi: We have sanctioned an increase in the number of the tribunals so that the work can be expedited.

शरणार्थी शिवरों में उपद्रव

+

*189. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री दे० द० पुरी :
श्री यशपाल सिंह :
श्री सुरेन्द्र पाल सिंह :
श्री बाकड़ी :
श्री विश्राम प्रसाद :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री यु शल्म :
श्री ओंकार सिंह :
श्री कजरोलकर :

क्या पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्वी पाकिस्तान के आप्रजकों के विभिन्न शरणार्थी शिविरों में हाल में ही कुछ उपद्रव हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या इसके कारण जानने का प्रयत्न किया गया है ; और

(ग) भविष्य में इन घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिये क्या कोई कदम उठाने का विचार है ?

पुनर्वास मंत्रालय में उपमंत्री (डा० म० मो० दास) : (क) जी हां । एसी सूचना प्राप्त हुई थी कि माना, हस्तनापुर और रुद्रपुर के शिविरों में रहने वाले शरणार्थियों ने अशान्ति उत्पन्न की थी । पर शिविर अधिकारियों ने उचित कार्यवाही की और अब शिविरों में शान्ति है ।

(ख) और (ग) एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

(ख) छानबीन से यह पता चला है कि पुराने विस्थापित अपने को नये विस्थापित बता कर पुनः सहायता तथा पुनर्वास सुविधायें प्राप्त करने के उद्देश्य से जो शिविरों में प्रविष्ट हुए उनकी उकसाहट से ही यह झगड़े हुए हैं । उन्होंने नये विस्थापितों को भड़काने के उद्देश्य से झूटे वादे किये कि वे उनको कृषि-भूमि दिला देंगे तथा नकद सहायता में वद्धि करवा देंगे । कुछ मामलों में उन्हें ऐसे बहानों पर विस्थापितों से धन एकत्रित करते भी पाया गया । क्योंकि वे किये गये वादों को पूर्ण करने में असमर्थ थे उन्होंने अशान्ति उत्पन्न कर दी ताकि उनकी ओर से ध्यान हट जाये । इस बारे में पश्चिम बंगाल में एक संस्था का उदय भी प्रकाश में आया जिसका उद्देश्य यह था कि सीमा के निकट वे पुराने विस्थापितों को नये विस्थापित बता कर आवाजाही केन्द्रों में भेजें जो वहां धन एकत्रित करें और फिर दूसरे विस्थापितों को शिविर छोड़ने के लिये प्रोत्साहित करें । शिविरों में नये विस्थापित कभी कभी इन समाज-विरोधी तत्वों की चालों में आ जाते हैं किन्तु उन में से अधिकतर शान्ति तथा कानून का पालन करते हैं ।

(ग) जो विस्थापित शिविरों में पहले से ही प्रविष्ट हैं उनकी वास्तविकता के सम्बन्ध में उचित छानबीन की जा रही है । शिविरों में अनुशासन के पालन के सम्बन्ध में कड़े आदेश जारी कर दिये गये हैं । यदि कोई शिविर के अनुशासन को भंग करता है तो उसे सर्वप्रथम लिख कर चेतावनी दी जाती है, यदि वह पुनः कुबर्ताव करता है तो उसको डोल बन्द कर दिया जाता है ; यदि वह

तीसरी बार शिविर के अनुशासन को भंग करता है या दूसरों को ऐसा करने के लिये उकसाता है तो ऐसी दशा में उसे परिवार सहित शिविर से निकाला जा सकता है।

इस बारे में राज्य सरकारों को भी आवश्यक आदेश जारी कर दिये गये हैं कि जो व्यक्ति अशान्ति उत्पन्न करते हैं उनके साथ कानूनी कार्यवाही की जाये।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : ये जो उपद्रव इन शरणार्थी शिविरों में हुए हैं क्या इनके पीछे कुछ राजनीतिक दलों के व्यक्तियों का भी हाथ पाया गया है ?

Mr. Speaker: He wants to know whether any political parties were behind this.

Dr. M. M. Das: No; we think that it is the old migrants who managed to enter into these camps who are responsible for this.

Shri Nath Pai: May I point out that the other day Shri Tyagi, the Senior colleague of the Deputy Minister very emphatically stated in this House that the reason why permission to hold meetings was refused was—I think Dr. Ranen Sen was on his feet t that time—that men of Dr. Ranen Sen's political persuasion.....

An Hon: Member: No.

Shri Nath Pai: I am only quoting him....used the opportunities to mislead the refugees? How do we reconcile the two statements?

The Minister of Rehabilitation (Shri Tyagi): I would refer my hon. friend to the proceedings of the House. I did not say that political parties were behind it, but.....

Shri Nath Pai: The hon. Minister can rely on my memory.

Shri Tyagi: I did not say that political parties were behind it, but I had said that these people were playing politics there: That was my point.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : भारत में काम करने वाले सम्भव हैं वे राजनीतिक दलों से सम्बन्धित व्यक्ति न हों लेकिन जो शरणार्थी पूर्वी पाकिस्तान से आए हैं क्या उनमें कुछ इस प्रकार के व्यक्ति हैं कि जो राजनीतिक उद्देश्य लेकर शरणार्थी बन कर आए हैं और वे यहां गड़बड़ करा रहे हैं ?

श्री त्यागी : ऐसा कोई पता गवर्नमेंट को नहीं है।

श्री म० सिं० सहगल : क्या यह सत्य है कि जो शरणार्थी वहां से आए हैं, उनके साथ कुछ पाकिस्तानी भी हैं जो कि जासूसी का काम कर रहे हैं और जो उपद्रव कराने की कोशिश कर रहे हैं ? यदि हां, तो इसके ऊपर सरकार क्या निगरानी रख रही है, या इसकी इनक्वायरी की गई है, इस तरह की भी कोई इत्तिला आपके पास आई है ?

Dr. M. M. Das: There have been one or two cases where suspicion had been roused in the mind of the camp commandant that there might be some agents of the other country.

श्री यशपाल सिंह : स्टेटमेंट में एडमिट किया गया है कि पुराने शरणार्थी नए शरणार्थियों में आ गये हैं और गड़बड़ी करने लगे हैं। क्या सरकार की तरफ से ऐसा कोई इन्तजाम नहीं किया गया था कि इन शिविरों में उपद्रवी तत्व न घुस सकें और उन्हें जाकर गुमराह न कर सकें ?

Dr. M. M. Das: We have arranged for screening these refugees. One team is already working in the Mana camp, and by the middle of the next month, that is, December, the screening of the Mana camp which is the largest of all our camps will be completed. The other camps will be taken up by turns for screening.

श्री यशपाल सिंह : मिल कैसे एक दूसरे से गये ? एक एक साल पहले आए और एक आज आये होंगे ? ये दोनों आपस में कैसे मिल गये ? क्लेम करने में छः महीने लग जाते हैं : किस तरह से वे इंटरमिंगल कर गये?

Dr. M. M. Das: What happens is that the old migrants go to the border and there enlist themselves in the interception camps as new migrants. There has been no check on that up till now.

श्री विश्राम प्रसाद: स्टेटमेंट में यह लिखा हुआ है :—

"छानबीन से यह पता चला है कि पुराने विस्थापित अपने को नए विस्थापित बता कर पुनः सहायता तथा पुनर्वास सुविधायें प्राप्त करने के उद्देश्य से जो शिविरों में प्रविष्ट हुए उनकी उकसाहट से ही यह झगड़े हुए हैं । उन्होंने नए विस्थापितों को भड़काने के उद्देश्य से झूठे वादे किये कि वे उनको कृषि भूमि . . .

अध्यक्ष महोदय : सारी स्टेटमेंट पढ़ेंगे क्या ?

श्री विश्राम प्रसाद : मैं यह जानना चाहता हूं कि ये पुराने जो रिफ्यूजी थे वे कैसे नए बन कर उसमें घुस गए हैं ? क्या कोई स्क्रुटिनी नहीं हुई है, कोई जांच नहीं हुई है ?

अध्यक्ष महोदय : इसी का जवाब तो उन्होंने अभी दिया है कि वे बोर्डर पर चले जाते हैं और वहां शामिल हो जाते हैं ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : जो उपद्रव हुए हैं उन उपद्रवों के अन्दर कितनी गिरफ्तारियां हुई हैं और इन गिरफ्तार होने वालों में नए कितने थे और पुराने कितने थे ?

Dr. M. M. Das: In the Mana camp, 16 migrants have been proceeded against under different sections; in the Rudrapur camp, 24 persons were arrested, and later all of them were released on bail. In the Hastinapur camp, no arrest was made.

अध्यक्ष महोदय : कितने नए थे और कितने पुराने थे ?

Dr. M. M. Das: Most of them are old ones.

श्री गुलशन : गड़बड़ करने वाले शरणार्थियों में से जो पुराने शरणार्थी थे, उनमें से क्या कोई पाकिस्तान की जासूसी करता हुआ भी पकड़ा गया है ?

श्री त्यागी : पाकिस्तान की जासूसी करते हुए कोई नहीं पकड़े गये हैं बल्कि दूसरे किस्म के अपराधों में पकड़े गए हैं, जैसे फर्ज कीजिये कि किसी सब-इंस्पेक्टर को पीट दिया, उसकी पिस्तौल ले ली या कुछ और ऐसी डिसटरबेंस कर दी ।

Shri Vidya Charan Shukla: Is it a fact that there were serious disturbances in the refugee camp at Betul? If so, what is the reason for Government not mentioning Betul camp as one of the camps where there were disturbances?

Dr. M. M. Das: The question related to recent times.

Mr. Speaker: Whether some disturbances have 'lately' occurred—that is the question.

Shri Vidya Charan Shukla: Disturbances have lately occurred there. It was about a month ago when there were very serious disturbances there.

Dr. M. M. Das. Unfortunately, the discretion was ours.

Shri Hem Barua. Why 'unfortunately'?

Dr. M. M. Das: In our judgment—we may be wrong—we did not include it in the reply to the question.

Mr. Speaker: The information should be supplied because 'lately' should include any recent incident occurring within one month.

Shri Surendra Pal Singh: Is it a fact that soon after the disturbances broke out in Rudrapur on 7th October, the Chief Minister of UP wrote to the Central Government pointing out that the root cause of the trouble was the rules under which cash doles to DPs could be reduced or stopped without giving them full employment,

and that rule being defective it should be suitably amended? If so, what is the reaction of the Central Government to that suggestion?

Dr. M. M. Das: Just after the incident in the Rudrapur camp, Shrimati Kripalani, Chief Minister of UP, visited the camp and succeeded in pacifying the migrants. She made certain recommendations to the Central Government. We have considered those recommendations.

Shri Surendra Pal Singh: Do Government propose to change that defective rule regarding stoppage of cash doles?

Dr. M. M. Das: If the hon. Member wants details, I require notice.

Shrimati Savitri Nigam: How far is it correct that mismanagement at the Mana camp and the behaviour of some officers was one of the causes of the unrest?

Dr. M. M. Das: There is not at all any foundation for this kind of allegation.

Bomb Explosions in J. & K.

+

*190. { **Shri Yashpal Singh:**
Shri Gulshan:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether there has been any increase in the bomb explosions in Jammu and Kashmir since the termination of the last session of Lok Sabha;

(b) if so, the action being taken to see that such incidents are stopped; and

(c) the number of persons so far apprehended in this respect?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi): (a) We have received information of ten explosions in Jammu and Kashmir State since the terminatin of the last session of the Lok Sabha..

(b) All possible precautions have been taken by the State Government to stop a recurrence of these incidents.

(c) Nil.

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार के ध्यान में यह बात है कि पंडित प्रेमनाथ डोगरा के घर में बम डाला गया। अगर यह बात उसके इल्म में है तो क्या उसको मालूम है कि कौन उसके लिये जिम्मेदार है, किन लोगों ने उसे डाला है, उसमें प्लेबिसाइट फ्रण्ट के लोगों का हाथ है या दूसरे लोग उसके पीछे हैं।

श्री हाथी : मैंने जो दस विस्फोट बतलाये उनमें से वह भी एक है, और उसके बारे में राज्य सरकार जांच कर रही है।

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार ने यह पता लगाया है कि यह बम किस देश के बने हुए हैं और कहां से यह बम हासिल किये जाते हैं। अगर हां तो किस तरह से उन्हें रोका जा सकता है।

श्री हाथी : अभी जांच की रिपोर्ट हमारे पास नहीं आई है।

श्री गुलशन : क्या यह सच नहीं है कि अब भी जम्मू काश्मीर में भिन्न-भिन्न स्थानों पर बम फटने की घटनायें हो रही हैं और क्या इसमें राजनीतिक दलों का कोई हाथ है।

श्री हाथी : स्टेट गवर्नमेंट की जो इत्तला है उससे पता चलता है कि इसमें पाकिस्तानी एजण्ट्स का हाथ है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : माननीय मन्त्री जी ने बतलाया कि गत अधिवेशन के बाद से अब तक 10 बम विस्फोट हुए तो क्या यह इसलिये ज्यादा हो रहे हैं कि शेख अब्दुल्ला का कार्यक्रम अब ज्यादा सक्रिय हो रहा है और जो उनका ग्रुप है वह ज्यादा सक्रिय होकर काम कर रहा है। क्या इसके माने यह हैं कि जम्मू काश्मीर में इस कारण से सारी गड़बड़ हो रही है।